अध्यादेश का सरकार का कोई इरादा नहीं : वेंकय्या

हैदराबाद, 1 फरवरी-(भाषा) कई अध्यादेश जारी करने को लेकर सरकार द्वारा आलोचनाओं का सामना किये जाने के बीच पूर्व केंद्रीय-मंत्री एम. वेंकय्या नायुडू ने आज कहा कि सरकार को 'अध्यादेश जारी करने का कोई शौक नहीं है' और विपक्ष को संसद का काम सुचारू तरीके से चलने देना चाहिए।

संसदीय मामलों के मंत्री ने कहा, 'किसी को अध्यादेश जारी करने का शौक नहीं है। हम अध्यादेश जारी नहीं करना चाहते, लेकिन उग्र अल्पमत चुप रहने वाले बहुमत को देश का विकास करने से नहीं रोक सकता।' उन्होंने कहा कि सरकार का विरोध करना विपक्षी दलों का अधिकार है, लेकिन वे अपना विरोध जताने के लिए बहिर्गमन जैसे लोकतांत्रिक पद्धतियों का उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाए कि विपक्षी दल राज्यसभा को बाधित कर रहे हैं, क्योंकि ऐसा लगता है कि वे मोदी सरकार के विकास कार्यों के कारण हो रही ख्याति को नहीं पचा पा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'विपक्ष में हमारे दोस्त... वे विकास को बाधित करना चाहते हैं। वे नहीं चाहते कि नरेन्द्र मोदी का नाम देश का विकास करने के कारण हो। यह रुख दिखता है। अन्यथा कोई मतलब नहीं है। मैं नहीं कहता कि विपक्ष को सरकार की हर पहल का समर्थन करना चाहिए...। नहीं, आप विपक्ष हैं... मैं कहता कि आप विरोध कीजिए। सदन को काम करने दीजिए।' नायुडू ने दावा किया कि दस वर्षों तक (संप्रग शासनकाल में) 'विकास की छुट्टी' रही और अब अतिरिक्त समय लगाकर काम करने की जरूरत है। उन्होंने आरोप लगाए कि राजग सरकार को राजकोषीय घाटा, राजस्व घाटा और चालू खाता घाटा विरासत में मिली और 'इससे भी ज्यादा विश्वास की कमी' मिली। उन्होंने कहा कि अब विश्वास लौटा है और चीजें ठीक हो रही हैं।